www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 16 || लखनऊ
गुरूवार
16 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:42
सूर्यास्तः 06:31
अधिकतमः 39°00
न्यूनतमः 25°00

पेज 03

विशेष समाचार
2029 को लेकर अभी से डरे हुए... >> पेज 02
आशुतोष महाराज ने डिप्टी सीएम... >>पेज 04
भूत बंगला प्रमोट करने में हुई अक्षय ...

सम्राट चौधरी संभालेंगे 29 मंत्रालय

जेडीयू के पास 18 विभाग, मुख्यमंत्री की शपथ लेने के बाद सम्राट ने छुए नीतीश के पैर

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना। सम्राट चौधरी बिहार के 24वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने लोकभवन में सुबह 11 बजे उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। बिहार की नई सरकार में जदयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव ने भी शपथ ली। दोनों को डिप्टी CM बनाया गया है। नीतीश कुमार इस कार्यक्रम में मौजूद थे। बिहार में अभी मंत्रिमंडल का ऐलान नहीं किया गया है। सम्राट चौधरी के पास गृह समेत 29 विभाग रहेंगे। विजय चौधरी को 10 और बिजेंद्र यादव को 8 विभाग मिले हैं। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद यही विभाग बाकी मंत्रियों में बंटेंगे। तब तक तीनों मंत्री ही इनकी जिम्मेदारी संभालेंगे। मुख्यमंत्री के पिता शकुनी चौधरी ने कहा, 'कभी-कभी ईश्वर की कृपा होती है। हमने कई पार्टियों के लिए पूरी लड़ाई लड़ी, लेकिन सफलता नहीं मिली। आज अमित शाह, नरेंद्र मोदी और नीतीश की कृपा से सम्राट आगे बढ़ गया।

- शपथ से पहले सम्राट चौधरी ने सुबह पंचमुखी हनुमान मंदिर में पूजा की।
- शपथ लेने के बाद सम्राट चौधरी ने नीतीश कुमार को हाथ जोड़कर प्रणाम किया।

दीपक प्रकाश बोले- नीतीश के तय लक्ष्य को पूरा करेगी नई सरकार

सम्राट चौधरी के शपथ ग्रहण पर मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा, 'नई सरकार का गठन हो गया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और नए उपमुख्यमंत्री को भी शुभकामना और बधाई है। बिहार में जिस प्रकार से पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में काम होता आया है, बिहार के लिए जो उन्होंने लक्ष्य तय किया था, निश्चित तौर पर सरकार और अधिक ऊर्जा के साथ उस लक्ष्य की प्राप्ति करेगी।'

मनन मिश्रा ने कहा- सम्राट चौधरी को सरकार चलाने का लंबा अनुभव है

भाजपा नेता मनन कुमार मिश्रा ने सम्राट चौधरी के शपथ ग्रहण पर कहा, 'बिहार के लिए बहुत खुशी की बात है कि पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री मिला है और सम्राट चौधरी एक अनुभवी, व्यवहार कुशल और बहुत अच्छे व्यक्ति हैं। उन्हें सरकार चलाने का लंबा अनुभव है। सम्राट चौधरी ने कल अपने बयान में कहा भी कि उन्होंने नीतीश कुमार से प्रशासन चलाने का तरीका सीखा है और उन्हीं के कदमों पर चलेंगे। बिहार का विकास होगा, अमन-चैन-शांति रहेगी। भाजपा की डबल इंजन की सरकार बहुत अच्छा काम करेगी। पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का मार्गदर्शन होगा और सम्राट चौधरी अच्छा काम करेंगे।'

पीएम मोदी ने सम्राट चौधरी को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी है।
उन्होंने X पर लिखा, बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर सम्राट चौधरी जी को बहुत-बहुत बधाई और ढेरों शुभकामनाएं!
उनकी ऊर्जा, जनसेवा के प्रति समर्पण और जमीनी अनुभव राज्य के लिए बेहद उपयोगी साबित होने वाला है।

पप्पू यादव बोले- बीजेपी की पर्ची पर नीतीश मर्जी भारी

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने सम्राट चौधरी को बिहार के सीएम बनने पर बधाई दी है। साथ ही बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व पर तंज कसा है। पप्पू यादव ने लिखा, "बिहार के नए CM और उनके सहयोगियों को शपथ एवं दायित्व ग्रहण की बहुत-बहुत बधाई। बिहार में BJP का पहले मुख्यमंत्री सम्राट जी बने हैं, लेकिन BJP में अजीब सन्नाटा पसरा है। क्या नीतीश जी के कोटे से BJP के CM बने हैं? बीजेपी के सर्वोच्च नेताओं की पर्ची पर नीतीश जी की मर्जी भारी पड़ गई।"

> बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के पिता शकुनी चौधरी ने कहा, "कभी-कभी ईश्वर की कृपा होती है। हमने पूरी लड़ाई लड़ी, लेकिन सफलता नहीं मिली। आज अमित शाह, नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार की कृपा से सम्राट आगे बढ़ गया। हर मेहनत रंग लाती है जो मेहनत करेगा वही आगे बढ़ेगा।

मैथिली ठाकुर बोलीं- नीतीश बिहार को जंगलराज से बाहर लाए

भाजपा विधायक मैथिली ठाकुर ने कहा, आज बिहार के लिए ऐतिहासिक दिन है। नीतीश कुमार बिहार को जंगलराज से निकालकर सुशासन के राज में लेकर आए हैं, उसी को आगे बढ़ाते हुए सम्राट चौधरी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। पहले भी NDA के मुख्यमंत्री थे आज भी NDA के मुख्यमंत्री हैं। शपथ के बाद सम्राट चौधरी सचिवालय पहुंचे। वहां उन्होंने अपना कामकाज संभाला। इसके बाद वे बीजेपी ऑफिस पहुंचे हैं।

सीएम बनते ही सम्राट चौधरी के 5 बड़े निर्देश

1. दोगुनी गति से काम कर समस्याओं का तेजी से समाधान
2. अधिकारी राज्य से भ्रष्टाचार खत्म करने को लेकर जीरो टायलरलेंस नीति पर दृढ़ता से काम करें
3. मुख्यमंत्री स्तर से नीचे स्तर तक कहीं भी कार्यों को लटकाने की प्रवृत्ति नहीं होनी चाहिए
4. प्रखंड और थाने में आम जनता को सुविधा मिले और समय से समस्याओं का समाधान हो
5. बिहार को विकसित और समृद्ध प्रदेश बनाने के लिए एकजुट होकर अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ काम करें

सीबीएसई बोर्ड 10वीं का रिजल्ट हुआ जारी

लखनऊ में अक्षरा और अनवी बनीं 10वीं टॉपर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। CBSE ने बुधवार को कक्षा दसवीं का रिजल्ट जारी कर दिया। जिसमें लखनऊ के मेधावी छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है। LPS साउथ सिटी ब्रांच की अनवी द्विवेदी ने 99% अंक हासिल किए हैं।

स्कूलों में दिखा जश्न का माहौल

रिजल्ट घोषित होने के बाद शहर के कई प्रमुख स्कूलों में छात्र-छात्राओं की भीड़ देखने को मिली। अच्छे अंक पाने वाले विद्यार्थियों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया और शिक्षकों से आशीर्वाद लिया।

मेलोनी जंग में साथ नहीं, शांति की बात बेकार : ट्रम्प

ईरान को परमाणु हथियार मिले तो 2 मिनट में इटली को उड़ा देगा

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिकी डोनाल्ड ट्रम्प ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि मेलोनी ने ईरान के खिलाफ जंग में अमेरिका का साथ नहीं दिया और हिम्मत नहीं दिखाई। ऐसे में शांति की बात करना बेकार है। इटालियन अखबार को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा, "मैं हैरान हूं। मैंने सोचा था उनमें हिम्मत है, लेकिन मैं गलत था।" उन्होंने आरोप लगाया कि मेलोनी का रुख ईरान के मुद्दे पर कमजोर रहा है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अगर ईरान को परमाणु हथियार मिल जाता है, तो वह इटली को 2 मिनट में तबाह कर सकता है। उनके मुताबिक, इस खतरे को समझे बिना शांति की बात करना सही नहीं है। ट्रम्प ने अमेरिका-इटली

संबंधों पर भी चिंता जताई। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते अब पहले जैसे नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो देश ईरान मामले में अमेरिका का साथ नहीं देते, उनके साथ संबंध कमजोर पड़ते हैं। इस बीच अमेरिकी प्रतिबंध झेल रहा चीनी टैंकर रिच स्टैरी बुधवार को फिर से होर्मुज में अमेरिकी नाकाबंदी नहीं तोड़ पाया। यह टैंकर संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के हमरियाह पोर्ट से चला था।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

ट्रेन से कटकर 5 की मौत

प्रयागराज। प्रयागराज में बुधवार शाम करीब 7:30 बजे ट्रेन से कटकर 5 लोगों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस और रेलवे की टीम मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। हादसा करछना क्षेत्र का पचदेवरा हाल्ट का है।

जज के बच्चे सॉलिसिटर-जनरल के साथ काम करते हैं : केजरीवाल

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने शराब घोटाला केस की सुनवाई कर रहीं जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को फिर से हटाने की मांग की है। केजरीवाल ने बुधवार को जस्टिस कांता की अदालत में एक और हलफनामा दायर किया है। इसमें केजरीवाल ने जज के दो बच्चों के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के साथ काम करने का मुद्दा उठाया है। केजरीवाल ने लिखा- जज के दोनों बच्चे तुषार मेहता के साथ काम करते हैं। तुषार मेहता उनके बच्चों को केस सौंपते हैं। तुषार मेहता CBI की तरफ से पेश होने वाले वकील हैं। ऐसे में, जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा तुषार मेहता के खिलाफ आदेश कैसे जारी कर पाएंगी?

बिजली के एक झटके में जिंदा जला युवक

खजुराहो। मध्य प्रदेश के खजुराहो रेलवे स्टेशन के पास स्थित 'दि खजुराहो हेरिटेज रिसोर्ट' में एक कर्मचारी की करंट लगने से मौत हो गई। यह घटना मंगलवार शाम 6 बजे छत से बंदर भगाते समय हुई। घटना का वीडियो बुधवार को सामने आया है। मृतक की पहचान खजुराहो निवासी रिंकू रैकवार के रूप में हुई। उसने आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए पांच दिन पहले ही होटल में काम शुरू किया था।

अयप्पा मंदिर रेस्टोरेंट नहीं : सबरीमाला मैनेजमेंट

यहां ब्रह्मचारी देवता, महिलाएं क्यों आना चाहती हैं

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री को लेकर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में चौथे दिन सुनवाई हुई। मंदिर का मैनेजमेंट देखने वाले त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (TDB) ने कहा कि यह खिलौने की दुकान या रेस्टोरेंट का मामला नहीं है। यह आजन्म ब्रह्मचारी माने जाने वाले देवता का मंदिर है। TDB का पक्ष रखते हुए एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा- 10 से 50 साल के उम्र की महिलाएं देवता के स्वरूप और पहचान के विपरीत हैं। भारत में अयप्पा के लगभग 1,000 मंदिर हैं। अगर महिलाओं को दर्शन करना है, तो वहां जाएं। उन्हें इसी खास मंदिर में क्यों आना है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि करोड़ों लोगों की आस्था को गलत ठहराना सबसे मुश्किल कामों में से एक है। साथ ही यह भी कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में 10 से 50 साल की महिलाओं की एंट्री पर बैन लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इसे भेदभावपूर्ण बताते हुए बैन हटा दिया। इस फैसले के खिलाफ कई पुनर्विचार याचिकाएं लगाई गईं।

> समाज सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता।
> सुप्रीम कोर्ट

50 से ज्यादा झोपड़ियां जलीं, 30 सिलेंडर फटे

युवक बोला- मेरे 4 बच्चे जिंदा जल गए, डिप्टी सीएम मौके पर पहुंचे

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में बुधवार शाम साढ़े 5 बजे भीषण आग लग गई। आग विकास नगर इलाके में लगी। इसमें 50 से ज्यादा झुग्गी-झोपड़ियां जलकर राख हो गई हैं। 30 से ज्यादा सिलेंडरों में ब्लास्ट हुआ। करीब 10 किलोमीटर दूर से आग की लपटें दिख रही हैं। आग लगने के बाद आसपास के करीब 20 मकानों को खाली करा लिया गया है। आग की सूचना मिलते ही झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोग मौके पर पहुंचे हैं। एक युवक का कहना है कि उसके 4 बच्चों की जलकर मौत हो गई है। वहीं, बाकी लोगों का सारा सामान जलकर राख हो गया है। चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल है। जिनकी झोपड़ियां जली हैं, वो लोग रो रहे हैं। बार-बार अपनी झोपड़ी में जाने की जिद कर रहे हैं। इलाके की लाइट काट दी गई है। फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियां आग पर काबू पाने में जुटी हैं। सीएम योगी ने आग की घटना का संज्ञान लेते हुए अफसरों को तुरंत मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। कहा है कि राहत कार्य में तेजी लाई जाए। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी मौके पर पहुंचे और अधिकारियों से तेजी से बचाव कार्य करने के आदेश दिए। वहीं, लखनऊ पूर्व विधानसभा के विधायक ओपी श्रीवास्तव भी पहुंच गए हैं। जहां पर आग लगी है।

>> (शेष पेज 04 पर)

> झुग्गी-बस्ती में रहने वाली पूजा ने बताया- आज पास में ही रहने वाली मेरी जेठानी के बेटे की शादी थी। बारात जाने वाली थी। इससे पहले ही आग लग गई। घर और शादी का सारा सामान जल गया। किसी तरीके से हम लोगों की जान बच गई।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक बोले- बहुत भयावह घटना

विकास नगर झुग्गी-झोपड़ी में आग की सूचना मिलने के बाद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक मौके पर पहुंचे। हालात का जायजा लिया और अधिकारियों से तेजी से बचाव कार्य करने के आदेश दिए। ब्रजेश पाठक ने कहा- भयावह आग लगी है।

नालियों में फेंके गए गैस सिलेंडर

आग लगने के बाद लोगों ने झोपड़ियों में रखे सिलेंडर नालियों में फेंक दिए। जिससे वो फटने न पाएं। अभी भी दर्जनों गैस सिलेंडर नालियों में पड़े हैं। आग लगने से रोड पूरी तरह से जाम हो गया है। मुंशी पुलिया से लेकर इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहा और फ्लाईओवर पर लोग घंटों से जाम में फंसे हैं। दरअसल, झुग्गी-झोपड़ी में आग लगने के बाद अचानक बढ़ी फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की आवाजाही बढ़ गई। इससे मेन रोड पर जाम लग गया।

कार्यवाई : गलत वीडियो पोस्ट कर माहौल बिगाड़ने का आरोप, 2 दिन बाद फैक्ट्रियां खुलीं, फोर्स तैनात

नोएडा बवाल : आरजेडी की 2 महिला प्रवक्ताओं पर एफआईआर

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। नोएडा में 2 दिन हुए बवाल के बाद आज यानी बुधवार को फैक्ट्रियां खुल गई हैं। हालात सामान्य हैं। जगह-जगह फोर्स तैनात है। CCTV और ड्रोन से निगरानी की जा रही है। 16 कंपनी RAF और पीएसी लगाई गई है। नोएडा सेक्टर 63, 84, 85, 80, फेस 2 में पुलिस ने फ्लैगमार्च किया। कंपनियों के बाहर सैलरी हाईक के नोटिस चस्पा किए गए हैं। हालांकि, कुछ कंपनियों में आज छुट्टी कर दी गई है। कंपनियों ने बाहर नोटिस चिपकाकर कर्मचारियों को बताया गया कि आज कंपनी बंद रहेगी। कल के लिए सूचना आपको पहले से ही दे दी जाएगी। इस बीच, नोएडा साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में राजद की दो महिला प्रवक्ताओं कंचना यादव और प्रियंका भारती पर FIR दर्ज की गई है। आरोप है कि दोनों ने सोशल मीडिया पर भ्रामक वीडियो शेयर कर माहौल खराब करने की कोशिश की।

> डीएम मेधा रुपम ने कहा- अगर कोई आउटसोर्सिंग एजेंसी या उसका कर्मचारी गड़बड़ी या उपद्रव करता है तो उसकी जिम्मेदारी एजेंसी की भी होगी। ऐसी स्थिति में एजेंसी को ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है। उसका लाइसेंस भी रद्द हो सकता है।

आरजेडी के दो नेशनल स्पोक्सपर्सन के खिलाफ केस, गलत वीडियो शेयर करने का आरोप

- श्रमिकों के उग्र प्रदर्शन के बाद नोएडा पुलिस ने एक्शन तेज कर दिया है। RJD के दो नेशनल स्पोक्सपर्सन के खिलाफ नोएडा पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। राजद प्रवक्ता प्रियंका भारती और कंचना यादव पर सोशल मीडिया पर गलत वीडियो शेयर करने का आरोप है।
- पुलिस के मुताबिक, दोनों ने गलत वीडियो शेयर कर नोएडा के अलग-अलग क्षेत्रों में भय और अविश्वास का माहौल बनाया। सुनियोजित ढंग से पुलिस की छवि को धूमिल करने के लिए भड़काऊ सूचना शेयर की। BNS की धारा 353(1)(b), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 और धारा 66D के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

पीएम ने लोगों से 9 संकल्प लेने की अपील की

बेंगलुरु। पीएम मोदी बुधवार को कर्नाटक में लोगों से 9 संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा, मेरी अपील जल संरक्षण और बेहतर जल प्रबंधन को लेकर है। इसके बाद उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण, सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों की स्वच्छता पर जोर दिया। उन्होंने 'वोकल फॉर लोकल' के जरिए स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, घरेलू पर्यटन को प्रोत्साहित करने, रसायन-मुक्त प्राकृतिक खेती अपनाने, मोटे अनाज (मिलेट्स) के साथ स्वस्थ भोजन को बढ़ावा देने और तेल के कम उपयोग की अपील भी की। पीएम मांडया जिले के श्री क्षेत्र आदिचुंचनगिरि मठ पहुंचे थे। यहां उन्होंने गुरु भैरवैक्य मंदिर का उद्घाटन किया। सौंदर्य लहरी और शिव महिम्न स्तोत्र नामक किताब का विमोचन भी किया। इस मौके पर पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा भी मौजूद थे। यह वोक्कालिगा समुदाय से जुड़ा है।

प्लांट के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न हो : योगी

मुख्यमंत्री ने टाटा प्लांट में 10 लाखवीं बस को किया फ्लैग ऑफ

लॉन्च

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ में टाटा मोटर्स प्लांट में 10 लाख गाड़ियां बन चुकी हैं। बुधवार को सीएम योगी ने 10 लाखवीं गाड़ी (ई-बस) को हरी झंडी दिखाई। उसमें बैठे भी। इस दौरान टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने उन्हें गाड़ी की खासियत बताईं। सीएम ने कहा- 10 लाखवें वाहन का उत्पादन सिर्फ एक औद्योगिक उपलब्धि नहीं, ऐतिहासिक उड़ान का लॉन्च पैड है। यह उस नए यूपी का प्रतीक है, जो देश के सबसे अधिक जनसंख्या वाले राज्य को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा। मैं विश्वास के साथ कहता हूं कि यह उड़ान रुकने वाली नहीं, बल्कि और अधिक ऊंचाइयां छुएगी।

>> (शेष पेज 04 पर)

- योगी आदित्यनाथ ने गोल्फ कॉर्ट में सवार होकर प्लांट में विजिट किया।
- टाटा मोटर्स की 10 लाखवीं गाड़ी को देखकर सीएम योगी ने ताली बजाई।

सम्पादकीय

मजदूरों के गुस्से का पाकिस्तान और नक्सली लिंक

मई दिवस या अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस आने में अभी एक पखवाड़े का वक्त बचा है, लेकिन जिन वजहों से 140 साल पहले मजदूरों ने अपनी आवाज़ बुलंद की थी, वो वजहें अब कई गुना सघनता के साथ समाज में मौजूद हैं। इसकी झलक सोमवार और मंगलवार को उत्तरप्रदेश के औद्योगिक नगर नोएडा में दिखाई दी। वही नोएडा जहां कुछ दिनों पहले जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया और कहा कि अब युवाओं के विकास की उड़ान को पंख मिलेंगे। दिल्ली से सटे नोएडा में कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तर और कारखाने हैं। आलीशान रिहायशी इलाके हैं, जहां करोड़ों के फ्लैटों और कोठियों में समाज का उच्च तबका रहता है। लेकिन इस चमचमाती दुनिया के पीछे वही मलिन बस्तियां हैं, जिन्हें छिपाने के लिए अक्सर सफेद पर्दे डाल दिए जाते हैं। याद कीजिए अहमदाबाद में नमस्ते ट्रंप से लेकर दिल्ली में जी-20 की बैठक तक जब भी अंतरराष्ट्रीय मेहमान भारत आए, ऐसे ही गरीबी को छिपाया जाता रहा। लेकिन सोमवार 13 अप्रैल को नोएडा के फेज टू में एक निजी कंपनी के श्रमिकों ने काम के घंटे और मेहनताने को लेकर जो प्रदर्शन किया, वह छिपाया नहीं जा सका। चूंकि कई बड़े चैनलों के दफ्तर नोएडा में ही हैं, तो यहां मजदूरों के भड़के असंतोष और उसे दबाने के लिए की गई प्रशासनिक सख्ती को पूरा कवरेज मिला। हालांकि नोएडा से पहले कई और शहरों में मजदूरों की नाराजगी सामने आई है। इस साल फरवरी में बिहार के बरौनी में मजदूर न्यूनतम वेतन बढ़ाने और काम के घंटे तय करने की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे। इसके बाद सूरत, मानेसर, पानीपत और फिर नोएडा तक यह सिलसिला फैल गया। इन सभी जगहों पर मांगें लगभग एक जैसी थीं- न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी, ओवरटाइम का सही भुगतान, बकाया राशि का निपटारा और स्थायी कर्मचारियों जैसी सुविधाएं। मजदूर संगठनों का कहना है कि नवंबर 2025 में लागू हुए नयी श्रमिक संहिता के बाद मजदूरों को उम्मीद थी कि उनकी स्थिति बेहतर होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। नोएडा का विरोध प्रदर्शन खास तौर पर इसलिए व्यापक हो गया क्योंकि वहां बड़ी संख्या में ठेका मजदूर काम करते हैं। ये मजदूर ठेकेदारों के जरिए रखे गए हैं और उन्हें न तो स्थायी नौकरी की सुरक्षा है और न ही पीएफ या अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलती है। 8 अप्रैल से ही मजदूरों का विरोध प्रदर्शन शुरु हो गया था जो धीरे-धीरे तेज हुआ और सोमवार को यह हिंसक हो गया। ट्रेड यूनियन नेताओं का आरोप है कि पिछले पांच दिनों से उन्हें नजरबंद रखा गया था, जिससे हालात और बिगड़ गए। उनका कहना था कि जब मजदूरों से बातचीत ही नहीं होगी, तो स्थिति नियंत्रण से बाहर होनी ही थी। मजदूर वर्ग की ऐसी नाराजगी किसी भी सत्ता के लिए चेतावनी होती है कि उसकी नीतियों से जनता संतुष्ट नहीं है, लिहाजा उसे आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। लेकिन मौजूदा भाजपा के शासनकाल में सत्ता से नाराजगी सीधे देश से विद्रोह मान लिया जाता है। जब किसान आंदोलन हुआ था तो उसे खालिस्तानी आतंकवाद से जोड़ा गया था। शाहीन बाग के आंदोलन में अंतरराष्ट्रीय साजिश देखी गई। और अब नोएडा में मजदूरों के विरोध प्रदर्शन में पाकिस्तान और नक्सलवाद का कोण सरकार ने ढूंढ निकाला है। उत्तर प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने मजदूरों की वाजिब मांग को 'बड़ी साजिश' का हिस्सा बताया और कहा कि इसमें 'पाकिस्तान लिंक' की भी जांच की जा रही है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बयान दिया कि यह 'नक्सल-वाद को फिर से जीवित करने की साजिश' का हिस्सा हो सकता है। उन्होंने अधिकारियों को सतर्क रहने और 'विघटनकारी तत्वों' की पहचान करने के निर्देश दिए हैं। कितनी चालाकी से सरकार ने अपनी जिम्मेदारी पाकिस्तान और नक्सलवाद पर डालने की कोशिश की, हालांकि बाद में सरकार ने औद्योगिक विकास आयुक्त की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति गठित की, जिसे मजदूरों और उद्योगों के बीच बातचीत कर समाधान निकालने का जिम्मा दिया गया। अब सरकार ने न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी की घोषणा की है। नोएडा (गौतम बुद्ध नगर) और गाजियाबाद में अब अकुशल मजदूर को 13,690 रुपये, अर्ध-कुशल को 15,059 रुपये और कुशल मजदूर को 16,868 रुपये मासिक वेतन तय किया गया है। अन्य नगर निगम क्षेत्रों और बाकी जिलों में भी इसी तरह अलग-अलग दरें तय की गईं हैं। सरकार ने वेतन बढ़ोतरी को 'संतुलित कदम' बताया है। लेकिन मजदूरों की शुरुआती मांगों और उनकी वास्तविक आय-व्यय की स्थिति को देखते हुए यह सवाल बना हुआ है कि क्या यह बढ़ोतरी उनके जीवन स्तर में वास्तविक सुधार ला पाएगी? बता दें कि नोएडा की फैक्ट्रियों में औसत वेतन 10-15 हजार रुपये के बीच है, जो बढ़ती महंगाई, खासकर मौजूदा ऊर्जा संकट के बाद, जीवनयापन के लिए पर्याप्त नहीं है। क्योंकि मजदूरों का वेतन तो वहीं का वहीं है, लेकिन इस बीच खाद्य सामग्री, शिक्षा, इलाज और किराया सबकी कीमतें बढ़ गई हैं। बहुत से मजदूर इसी वजह से गांवों में वापस लौट गए हैं, हालांकि वहां भी उनके लिए खेती-किसानी बची नहीं है। मज़दूरों का कहना है कि भत्तों में बढ़ोतरी से बचने के लिए कर्मचारियों को नौ महीने के भीतर ही बर्खास्त कर दिया जाता है और फिर से नियुक्त कर लिया जाता है। उन्हें डर है कि कारखाना मालिकों ने सरकार के दबाव में न्यूनतम वेतन बढ़ाने की मांग मान तो ली है।

2029 को लेकर अभी से डरे हुए हैं मोदी

> रमेश ने इस बात पर भी सवाल उठाया कि कैसे सरकार कह रही है कि परिसीमन के बाद उत्तर भारत के राज्यों का दबदबा नहीं बढ़ेगा और दक्षिण के राज्यों का असर कम नहीं होगा? उन्होंने इसके लिए केरल की मिसाल दी और कहा कि केरल व उत्तर प्रदेश के बीच अभी 60 लोकसभा सीटों का फर्क है, जो परिसीमन के बाद 90 सीटों का हो जाएगा।

कांग्रेस की ओर से पार्टी के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके परिसीमन के प्रस्ताव पर सवाल उठाया। रमेश ने कहा कि महिला आरक्षण और परिसीमन का मामला व्यापक रूप से ध्यान भटकाने की योजना का हिस्सा है। रमेश ने इस बात पर भी सवाल उठाया कि कैसे सरकार कह रही है कि परिसीमन के बाद उत्तर भारत के राज्यों का दबदबा नहीं बढ़ेगा और दक्षिण के राज्यों का असर कम नहीं होगा? लोकसभा चुनाव- 2024 के नतीजों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी पार्टी का आत्मविश्वास बुरी तरह हिला रखा है। यद्यपि चुनाव आयोग बिल्कुल उनके मनमाफिक काम कर रहा है और ऐसा करते हुए वह निष्पक्ष रहना तो दूर, निष्पक्ष होने का दिखावा तक नहीं कर रहा है। उसकी तमाम असंवैधानिक और अनैतिक कारगुजारियों को न्यायपालिका का भी पूरा-पूरा संरक्षण मिला हुआ है। कॉरपोरेट नियंत्रित मीडिया भी पूरी तरह से सरकार और भाजपा के प्रचार तंत्र का हिस्सा बना हुआ है। इसी सबके चलते भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और बिहार के विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीतें हासिल की हैं। इसके बावजूद 2029 के लोकसभा चुनाव को लेकर मोदी बेहद डरे हुए हैं। उनका यह डर लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण 2029 से ही लागू कराने और 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन कराने को लेकर उनकी हड़बड़ी में साफ देखा जा सकता है। दरअसल तमाम मोर्चों पर अपनी सरकार की नाकामियों के बावजूद 2019 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद हुए कई विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत ने मोदी में इतना आत्मविश्वास भर दिया था कि उन्होंने 2024 के चुनाव में 'अबकी बार 400 पार' का नारा दे दिया था। वे मानकर चल रहे थे उन्हें 400 सीटों का बहुमत मिल ही जाएगा। उनके इसी आत्मविश्वास के बूते वे खुद तो नहीं लेकिन उनकी पार्टी के दूसरे कई वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री खुलेआम संविधान बदलने और भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की बातें करने लगे थे, जिसे मोदी भी नकार नहीं रहे थे। मगर उनकी तमाम तिकड़मों और चुनाव आयोग द्वारा की गई गड़बड़ियों के बावजूद चुनावी परिणाम उनकी उम्मीदों के विपरीत आए। लोकसभा चुनाव 2014 में मिली 282 और 2019 में मिली 303 सीटों के मुकाबले 2024 में भाजपा जैसे-तैसे 240 सीटें ही जीतने में कामयाब रही। यानी बहुमत से बहुत दूर। मोदी खुद वाराणसी में जैसे-तैसे जीत पाए। करीब दो दर्जन पार्टियों के बने उनके गठबंधन (एनडीए) को भी कुल मिलाकर 292 सीटें ही हासिल हो सकीं, जो कि स्पष्ट बहुमत के आंकड़े से महज 20 सीटें अधिक रहीं। कुल मिला कर जैसे-तैसे सरकार चलाने लायक बहुमत मिला। ऐसे में संविधान बदलने या उसमें कोई भी मनमाना संशोधन करने का उनका मंसूबा धरा रह गया। बस, यही स्थिति मोदी के लिए भविष्य में होने वाले चुनावों और खास कर 2029 के लोकसभा चुनाव को लेकर चिंता का सबब बन गई। यही नहीं, उन्हें विभाजनकारी और धार्मिक नारों की सीमाएं भी समझ में आ गईं कि अब इनका और ज्यादा दोहन नहीं किया जा सकता। कई छोटे-छोटे दलों के समर्थन रूपी बैसाखियों के सहारे तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद मोदी ने भविष्य में होने वाले चुनावों को जीतने की योजना पर काम करना शुरू किया। इस योजना के तहत चुनाव से ठीक पहले कल्याणकारी योजनाओं के नाम पर मतदाताओं के खाते में सरकारी खजाने से नकद राशि ट्रांसफर करने की योजनाएं घोषित हुईं और जिनकी किस्तें चुनाव के दौरान जारी हुईं। ऐसा करना आदर्श चुनाव आचार संहिता के सरासर खिलाफ था, लेकिन चुनाव आयोग मूकदर्शक बना रहा। इस योजना को हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई लेकिन न्यायपालिका ने भी इस अनैतिक हथकंडे पर रोक लगाने से इंकार कर दिया। इसके अलावा महाराष्ट्र और हरियाणा में मतदान और मतगणना में भी चुनाव आयोग ने बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों को अंजाम देकर भाजपा की जीत का रास्ता साफ किया था। महाराष्ट्र और हरियाणा का चुनाव जीतने के बाद मतदाताओं के खाते में नकद राशि ट्रांसफर करने की योजना बिहार में भी लागू की गई। इसके अलावा चुनाव आयोग के माध्यम से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के नाम पर जीत सुनिश्चित करने वाली एक नई योजना भी शुरू की गई, जिसकी शुरुआत दिल्ली से हुई और बाद में बिहार में भी लागू की गई। दोनों राज्यों में चुनाव आयोग ने एसआईआर के बहाने मनमाने तरीके से लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटाए, जिससे दोनों राज्यों में भाजपा और उसके गठबंधन को आसानी से जीत हासिल हो गई। बिहार और दिल्ली में कामयाबी के बाद एसआईआर के हथियार को अभी हो रहे चुनाव वाले राज्यों- तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल और पुडुचेरी सहित नौ राज्यों में भी आजमाया गया और हर राज्य में चुनाव आयोग ने मनमाने तरीके से लाखों लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए हैं। अलबत्ता असम को इस योजना से मुक्त रखा गया। जाने-माने अर्थशास्त्री डॉ. पराकला प्रभाकर ने, जो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पति हैं, क्षेत्र विशेष और वर्ग विशेष के मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटाने की चुनाव आयोग की रातों-रात 'नाम मिटाओ, नाम चढ़ाओ और चुनाव जिताओ परियोजना' को दुनिया का सबसे बड़ा रक्तहीन राजनीतिक जनसंहार करार दिया है। राजनीतिक विश्लेषण सेवा बहरहाल, प्रधानमंत्री को इतने से भी संतोष नहीं है। वे 2029 के चुनाव को लेकर कोई कसर छोड़ना नहीं चाहते हैं। इसलिए वे 2029 के बाद लोकसभा और विधानस-भाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने वाले नारी शक्ति वंदन कानून और लोकसभा व विधानसभा की सीटों के परिसीमन को भी 2029 के चुनाव से ही लागू करने की हड़बड़ी दिखा रहे हैं। हालांकि यह इतना आसान नहीं है, क्योंकि दोनों मामले संविधान संशोधन से जुड़े हुए हैं और संविधान संशोधन के लिए जरूरी दो तिहाई बहुमत सरकार के पास नहीं है। पहले ऐसा लग रहा था कि महिला आरक्षण और परिसीमन को लेकर विपक्षी दल दुविधा में है और उनके लिए इसका विरोध करना आसान नहीं होगा। लेकिन अब धीरे-धीरे विपक्ष दलों ने अपना रुख स्पष्ट करना शुरू कर दिया है।

अनिल जैन

यदि वर्षा सामान्य ...

जयसिंह रावत

कमजोर मानसून की आशंका: किसानों और अर्थव्यवस्था के सामने नई चुनौती

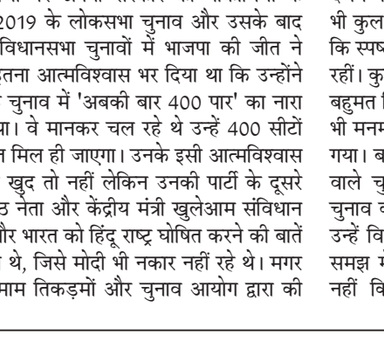

देश में वर्ष 2026 के दक्षिण-पश्चिम मानसून को लेकर जारी पूर्वानुमानों ने विशेष रूप से पहाड़ी राज्यों के लिए चिंता बढ़ा दी है। मौसम विभाग के दीर्घकालिक आकलन के अनुसार उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के बड़े हिस्सों में इस वर्ष सामान्य से कम वर्षा होने की आशंका है। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर के कुछ क्षेत्रों में भी वर्षा सामान्य से कम रहने का अनुमान जताया गया है, जबकि लद्दाख में सामान्य से अधिक वर्षा हो सकती है। यह स्थिति केवल जलवायु की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि कृषि, जल संसाधनों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए भी गंभीर प्रभाव डाल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, इस वर्ष देश में कुल मानसूनी वर्षा दीर्घकालिक औसत (एलपीए) का लगभग 92 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो सामान्य श्रेणी से नीचे की स्थिति को दर्शाता है। विशेष रूप से उत्तराखंड में सामान्य से कम वर्षा की संभावना 35 से 65 प्रतिशत के बीच बताई गई है। यह संकेत करता है कि पहाड़ी क्षेत्रों में जल स्रोतों, सिंचाई और पेयजल व्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है। इस वर्ष कमजोर मानसून की आशंका के पीछे एक प्रमुख कारण उत्तरी गोलार्ध में सर्दी और वसंत ऋतु के दौरान हिम आवरण (स्नो कवर) का सामान्य से कम रहना बताया गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार, हिम आवरण का क्षेत्रफल कम होने से भूमि और वायुमंडल के बीच तापमान का अंतर कमजोर पड़ जाता है। यह अंतर मानसून की गति और उसकी तीव्रता को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब यह तापीय अंतर कम हो जाता है, तो मानसूनी हवाओं की शक्ति भी कमजोर पड़ सकती है, जिससे वर्षा की मात्रा प्रभावित होती है। वैश्विक जलवायु संकेतक भी इस वर्ष मानसून पर प्रभाव डाल सकते हैं। वर्तमान में ला-नीना की कमजोर होती स्थिति के कारण जलवायु तटस्थ अवस्था की ओर बढ़ रही है, जबकि मानसून के महीनों के दौरान अल-नीनो की संभावना जताई जा रही है। अल-नीनो की स्थिति आमतौर पर भारत में वर्षा की कमी से जुड़ी होती है, क्योंकि इसके दौरान प्रशांत महासागर का तापमान बढ़ जाता है और मानसूनी हवाओं की दिशा व गति प्रभावित होती है। हालांकि, वैज्ञानिकों का मानना है कि बाद के महीनों में हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी) की स्थिति सकारात्मक हो सकती है जिससे वर्षा की कमी को आंशिक रूप से संतुलित किया जा सकता है। पहाड़ी राज्यों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से संवेदनशील मानी जा रही है, क्योंकि यहां मानसून वर्षा जल संसाधनों, कृषि और जलविद्युत उत्पादन का प्रमुख आधार है। उत्तराखंड और हिमाचल जैसे राज्यों में नदियों का प्रवाह, जलाशयों का स्तर और सिंचाई व्यवस्था काफी हद तक मानसून पर निर्भर रहती है। यदि वर्षा सामान्य से कम रहती है, तो इससे जलविद्युत परियोजनाओं के उत्पादन पर भी प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही, असमान वर्षा की स्थिति में भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी बढ़ जाता है क्योंकि कभी-कभी कम कुल वर्षा के बावजूद अचानक तेज वर्षा की घटनाएं अधिक नुकसान पहुंचा सकती हैं। देश की अर्थव्यवस्था पर भी कमजोर मानसून का असर पड़ना स्वाभाविक है। यद्यपि विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान परिस्थितियों में भारत की समग्र अर्थव्यवस्था इतनी कमजोर नहीं है कि वह पूरी तरह संकट में आ जाए, फिर भी कृषि क्षेत्र पर इसका सीधा प्रभाव पड़ सकता है। देश की सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान अभी भी लगभग एक-चौथाई के आसपास है, और यह क्षेत्र मुख्य रूप से वर्षा पर निर्भर है। भारत में लगभग 70 प्रतिशत कृषि भूमि को आवश्यक नमी मानसून से ही प्राप्त होती है। कई राज्यों में तो आधे से अधिक खेत वर्षा आधारित हैं। कमजोर मानसून का सबसे अधिक प्रभाव छोटे और सीमांत किसानों पर पड़ता है। उदाहरण के लिए, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में गेहूं की लगभग आधी खेती वर्षा पर निर्भर है जबकि महाराष्ट्र में वर्षा आधारित खेती का अनुपात 80 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। अल-नीनो के वर्षों में दालों का उत्पादन अक्सर घट जाता है, कभी-कभी यह गिरावट 25 प्रतिशत से अधिक तक पहुंच जाती है। इसका सीधा असर देश की खाद्य सुरक्षा और बाजार में कीमतों पर पड़ सकता है। जल संसाधनों पर दबाव बढ़ने का एक और कारण भूमिगत जल का अत्यधिक दोहन है। जब वर्षा कम होती है, तो किसान ट्यूबवेल और पंपसेट का अधिक उपयोग करते हैं जिससे भूजल स्तर तेजी से नीचे चला जाता है। इसके साथ ही जलाशयों में पानी की उपलब्धता भी घट जाती है, जिससे सिंचाई और बिजली उत्पादन दोनों प्रभावित होते हैं। इस वर्ष स्थिति को और जटिल बनाने वाले कुछ अतिरिक्त कारक भी सामने आए हैं। मार्च और अप्रैल में हुई असामयिक वर्षा ने देश के कई हिस्सों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचाया है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर हुई है। इसके अतिरिक्त, पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है। यदि यह स्थिति लंबी चली, तो डीजल जैसे ईंधनों की कीमतों में वृद्धि भी संभव है।

बिहार के आर्थिक...

कमलेश पांडेय

बिहार में विकास सम्बन्धी चुनौतियों को अवसरों में बदलना होगा सम्राट चौधरी को!

बिहार के नए सम्राट को फूलों की सेज नहीं, बल्कि कांटों का ताज मिला है। चाहे पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हों या पूर्व मुख्यमंत्री दम्पत्ति लालू प्रसाद और राबड़ी देवी, कभी भी चैन पूर्वक राज नहीं कर सके। लिहाजा, मौजूदा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भी उन जातीय और साम्प्रदायिक चुनौतियों से जूझना होगा जो बिहार के विकास में शुरू से ही बाधक समझी गई हैं लेकिन जिस प्रकार से आधुनिक बिहार के निर्माता और प्रथम मुख्यमंत्री श्री कृष्ण सिन्हा को कांग्रेस के सहयोग से लंबे समय तक राज करते हुए जनसेवा का मौका मिला, वैसी ही मौजूदा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भाजपा के सहयोग से जनसेवा का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा भी है कि पार्टी ने उन्हें पद नहीं, जनसेवा का अवसर दिया है, इसलिए विकास, सुशासन और समृद्धि उनके शासन का मूलमंत्र होगा। बिहार के आर्थिक विश्लेषक बताते हैं कि बिहार के विकास में श्रीकृष्ण सिन्हा के बाद नीतीश कुमार ने एक बड़ी रेखा खींचने की कोशिश की, प्रगति नजर भी आई लेकिन महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश और हाल के वर्षों में उत्तरप्रदेश के विकास को देखा जाए तो अब भी बिहार के विकास में कई बड़ी-बड़ी चुनौतियाँ बाकी हैं, जो आंकड़ों और राज्य की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को देखने पर साफ दिखती हैं। इसलिए भाजपा की सरकार के सुलझे हुए और समावेशी प्रवृति वाले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भी बिहार के समग्र विकास के लिए निम्नलिखित चुनौतियों से जूझना होगा लेकिन अपने मृदु स्वभाव से वे एक एक करके इनसे पार पा जाएंगे, ऐसा मुझे दृढ़ विश्वास है। आंकड़े बताते हैं कि बिहार, भारत के सबसे कम आय वाले राज्यों में शुमार है, जहां गरीबी दर अभी भी काफ़ी ऊँची है और रोज़गार की गुणवत्ता कमज़ोर है। समझा जाता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निवेश कम होने के कारण यहां की "मानव-पूंजी" कमज़ोर है- साक्षरता और स्किल लेवल अभी भी देश के स्तर से काफी नीचे हैं, जिससे युवाओं को अच्छे रोज़गार के अवसर मिलने में दिक्कत होती है। ऐसे में यदि अपराध, जातीय सोच और सांप्रदायिक मिजाज को हतोत्साहित करके इन लक्ष्यों को पाया जा सकता है। इसके लिए अप्रवासी बिहारियों और बिहार मूल के एनआ-रआई को आकर्षित करने वाली योजनाओं को बनाना होगा और उनपर दृढ़तापूर्वक अमल करना होगा। यद्यपि हार की आबादी का बड़ा हिस्सा अभी भी कृषि पर निर्भर है लेकिन उत्पादकता और आय दोनों ही अपेक्षाकृत कम हैं। ऐसा इसलिए कि उत्तर बिहार 4 महीना बाढ़ से आक्रांत रहता है और तभी दक्षिण बिहार सूखा से जूझ रहा होता है। खेती और बागवानी यहां पर होती तो है, लेकिन भंडारण सुविधाएँ, बाढ़-प्रबंधन, सिंचाई व्यवस्था, जलवायु परिवर्तन और बारहमासी सिंचाई की सीमित पहुँच जैसे कारकों के कारण कृषि अभी भी बहुत जोखिम भरी और कम-लाभ वाली काम साबित होती है। लिहाजा किसानों और मजदूरों के बच्चे परदेश कमाने चले जाते हैं और अपनी उद्यमिता से सबको सुख पहुंचाते हैं। बिहार में 26 साल पहले हुए राज्य विभाजन के बाद औद्योगिक आधार छोटा हुआ है, क्योंकि अधिकांश बड़े उद्योग-धंधे झारखंड के हिस्से में चले गए।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

डॉ ब्रजेश कुमार मिश्र

नारी शक्ति वन्दन अधिनियम: प्रतिनिधित्व और क्रियान्वयन की चुनौती

कामायनी के श्रद्धा सर्ग में जयशंकर प्रसाद ने नारी की चेतना को इंगित करते हुए लिखा है "नारी, तुम केवल श्रद्धा हो, विश्वास-रजत-नग-पग तल में,पीयूष-स्रोत सी बहा करो, जीवन के सुन्दर समतल में।" अर्थात् नारी केवल एक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि श्रद्धा, विश्वास और जीवनदायिनी शक्ति का प्रतीक है, जो अपने स्नेह, करुणा और संवेदनशीलता से जीवन को सुन्दर और सन्तुलित बनाती है। भारतीय समाज में नारी सदैव आदरणीय रही है किन्तु यह भी एक कटु सत्य है कि इन आदर्शों के बावजूद वास्तविक सामाजिक और राजनीतिक जीवन में उसकी भागीदारी लम्बे समय तक सीमित रही है। यही विरोधाभास भारतीय लोकतन्त्र में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जहाँ एक ओर संविधान ने समानता का अधिकार प्रदान किया, वहीं दूसरी ओर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अपेक्षाकृत बहुत कम बना रहा जबकि दुनिया के कई देशों जैसे बांग्लादेश (14%), पाकिस्तान (17%) औरनेपाल (33%) में महिलाओं के लिए संसद में आरक्षण है। इसी तरहरवांडा (30%), तंज़ानियाऔरयुगांडामें भी विशेष आरक्षण अथवा कोटा व्यवस्था लागू है। ऐसे परिप्रेक्ष्य में महिला आरक्षण अधिनियम, 2023 (नारी शक्ति वन्दन अधिनियम)इस ऐतिहासिक असन्तुलन को दूर करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण और बहुप्रतीक्षित पहल के रूप में सामने आया। 28 सितम्बर 2023 को कानून बनने के बाद मध्य प्रदेश,राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिज़ोरम विधानसभाओं के चुनाव हो चुके हैं फिर भी यह अपनी मूर्तता की बाट जोह रहा है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए सरकार 16–18 अप्रैल के मध्य संसद का विशेष सत्र बुला रही है, लेकिन सवाल यह है कि अब तक सरकार ने इस सन्दर्भ में प्रयास क्यों नही किया, सरकार की अग्रिम योजना क्या है और इस कानून के लागू हो जाने के बाद क्या बदलाव होगा, ये ऐसे गूढ़ प्रश्न हैं जिन्हे संवैधानिक और व्यावहारिक पहलुओं के आलोक में समझा जा सकता है। यदि हम इस प्रश्न की जड़ों में जाएँ, तो असमान प्रतिनिधित्व की समस्या नई नहीं है।संविधान सभा, जिसने स्वतन्त्र भारत के लोकतान्त्रिक ढाँचे की रचना की, उसमें भी महिलाओं की भागीदारी अत्यन्त सीमित थी,कुल सदस्यों में मात्र4–5 प्रतिशत (लगभग 15 महिलाएँ)। यह आँकड़ा दर्शाता है कि प्रारम्भिक स्तर पर ही महिलाओं की राजनीतिक उपस्थिति कम थी। इसके बावजूद, संविधान निर्माताओं ने समानता के आदर्शों को अत्यन्त महत्त्व दिया।अनुच्छेद 14विधि के समक्ष समानता औरअनुच्छेद 15लिंग के आधार पर भेदभाव के निषेध की बात करता है बावजूद इसके अनुच्छेद 15(3) में राज्य को महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान करने की अनुमति प्रदान की गई। स्पष्ट है कि संवैधानिक स्तर पर महिलाओं के सशक्तिकरण की नींव मजबूत रखी गई थी लेकिन व्यवहारिक राजनीति में यह समानता परिलक्षित नहीं हो सकी। इस दिशा में पहला वास्तविक और प्रभावी हस्तक्षेप 1992–93 के 73वें और 74वें संविधान संशोधन के माध्यम से हुआ। इन संशोधनों ने पंचायतों और नगर निकायों को संवैधानिक दर्जा देते हुए महिलाओं के लिए कम से कम 33% आरक्षण सुनिश्चित किया। कई राज्यों ने इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक कर दिया(बिहार सबसे पहला राज्य है जिसने पंचायतों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण को बढ़ाकर50% किया, इसके बाद मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, ओडिशा और झारखंड जैसे राज्यों ने भी स्थानीय निकायों में 50% महिला आरक्षण लागू किया)। इस प्रयोग ने न केवल महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाया बल्कि यह भी सिद्ध किया कि महिला नेतृत्व शासन को अधिक संवेदनशील, समावेशी और जनकल्याणकारी बना सकता है। यह अनुभव इस बात का ठोस प्रमाण था कि यदि अवसर मिले, तो महिलाएँ प्रभावी राजनीतिक भूमिका निभा सकती हैं। इसके बावजूद, संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण की राह आसान नहीं रही। 1990 के दशक से लेकर 2010 तक यह विधेयक बार-बार संसद में पेश किया गया1996, 1998, 1999, 2003 और 2008लेकिन हर बार यह राजनीतिक असहमति के कारण अटक गया। 2010 में राज्यसभा से पारित होने के बावजूद यह लोकसभा में पारित नहीं हो सका। इस विफलता के पीछे कई कारण थेसबसे प्रमुखOBC महिलाओं के लिए अलग उप-कोटा की मांग, पुरुष सांसदों का विरोध, और राजनीतिक दलों के बीच सहमति का अभाव। यह स्पष्ट करता है कि महिला प्रतिनिधित्व का प्रश्न केवल सामाजिक न्याय का नहीं, बल्कि सत्ता-साझेदारी का भी प्रश्न है। संवैधानिक व्यवस्था में पहले से ही प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के कुछ प्रावधान मौजूद हैं।अनुच्छेद 330 और 332 क्रमशः लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण सुनिश्चित करते हैं, जबकिअनुच्छेद 334इन आरक्षणों की समय-सीमा निर्धारित करता है। महिला आरक्षण अधिनियम, 2023 (106 वां संशोधन) ने इसी ढाँचे को आगे बढ़ाते हुए संविधान मेंअनुच्छेद 330A, 332A और 334A जोड़कर महिलाओं के लिए 33% आरक्षण का प्रावधान किया है, हालाँकि, इस अधिनियम की सबसे बड़ी विशेषता और साथ ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी इसका क्रियान्वयन तन्त्र है। अधिनियम के अनुसार, यह आरक्षणजनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही लागू होगा। इस प्रकार एक ओर जहाँ यह ऐतिहासिक कदम है, वहीं दूसरी ओर इसे लागू करने में अनावश्यक विलम्ब किया जा रहा है जिससे इसका प्रभाव कमजोर होने की सम्भावना है। अब सवाल यह है कि अब तक सरकार इसे लागू क्यों नहीं कर पायी है? इसके पीछे कारण है कि जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया लम्बित रही, जिससे क्रियान्वयन टलता गया; अब संशोधन के माध्यम से इसे 2029 से पहले लागू करने की तैयारी है। इसी कारण विशेष सत्र आहूत हो रहा है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के शीघ्र क्रियान्वयन के लिए इसमें संशोधन करने की योजना बनाई जा रही है ताकि इसे लम्बित जनगणना से अलग कर समय से लागू किया जा सके। प्रस्ताव के अनुसार लोकसभा की 543 सीटों को बढ़ा कर 816करने और उनमें से 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षितकरने का विचार है। यह आरक्षण वर्टिकल मॉडल पर आधारित होगा, जिसमें SC और ST श्रेणियों के भीतर भी महिलाओं को उप-आरक्षण मिलेगा।

चेन्नई के खिलाफ मैच में स्लो ओवर रेट के चलते कार्रवाई, सीजन की पहली गलती

केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख का जुर्माना

चेन्नई, एजेंसी

IPL 2026 के 22वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) को स्लो ओवर रेट की गलती भारी पड़ गई। टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के खिलाफ खेले गए मुकाबले के बाद की गई। यह मैच चेन्नई के ऐतिहासिक एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला गया, जहां KKR की टीम निर्धारित समय के भीतर अपने 20 ओवर पूरे नहीं कर सकी। मैच के दौरान ओवर पूरे करने में देरी को लेकर अंपायरों और मैच रेफरी ने इसे आचार संहिता का उल्लंघन माना। मैच के बाद जारी आधिकारिक बयान में बताया गया कि IPL की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह KKR का इस सीजन में पहला स्लो ओवर रेट अपराध है। नियमों के मुताबिक, पहली गलती पर कप्तान पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाता है, जो इस मामले में लागू किया गया। हालांकि बोर्ड ने चेतावनी दी है कि यदि टीम दोबारा ऐसी गलती करती है, तो सजा और कड़ी हो सकती है। इसमें कप्तान के साथ-साथ अन्य खिलाड़ियों पर भी आर्थिक दंड लगाया जा सकता है।

अगली बार बढ़ेगी सजा

नियमों के तहत अगर KKR दूसरी बार इस तरह की गलती करती है, तो कप्तान पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही टीम के अन्य खिलाड़ियों पर उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत या 6 लाख रुपये (जो भी कम हो) का जुर्माना लगाया जा सकता है। अगर तीसरी बार भी टीम स्लो ओवर रेट की दोषी पाई जाती है, तो कप्तान पर 30 लाख रुपये का जुर्माना और एक मैच का प्रतिबंध भी लगाया जा सकता है।

> सीजन के बीच इस तरह की कार्रवाई के-केआर के लिए चेतावनी मानी जा रही है। आगे के मुकाबलों में टीम को अपनी गेंदबाजी की गति पर खास ध्यान देना होगा, ताकि दोबारा ऐसी स्थिति न बने और कप्तान पर प्रतिबंध जैसी कड़ी कार्रवाई से बचा जा सके।

क्या है स्लो ओवर रेट का नियम?

IPL के नियमों के अनुसार, किसी भी टीम को अपनी पारी के 20 ओवर निर्धारित समय—करीब 90 मिनट (जिसमें स्ट्रैटेजिक टाइम-आउट भी शामिल होता है)—के भीतर पूरे करने होते हैं। यदि टीम तय समय से पीछे रह जाती है।

चेन्नई ने लगातार दूसरा मैच जीता है।

पहला अपराध, इसलिए सीमित सजा

मैच के बाद जारी आधिकारिक बयान में बताया गया कि IPL की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह KKR का इस सीजन में पहला स्लो ओवर रेट अपराध है। नियमों के मुताबिक, पहली गलती पर कप्तान पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाता है, जो इस मामले में लागू किया गया। हालांकि बोर्ड ने चेतावनी दी है कि यदि टीम दोबारा ऐसी गलती करती है, तो सजा और कड़ी हो सकती है। इसमें कप्तान के साथ-साथ अन्य खिलाड़ियों पर भी आर्थिक दंड लगाया जा सकता है।

बार्सिलोना चैंपियंस लीग से बाहर हुई

एटलेटिको मैड्रिड ने 3-2 के एग्रीगेट स्कोर से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

चैंपियंस लीग क्वार्टर फाइनल के दूसरे लेग में बार्सिलोना ने एटलेटिको मैड्रिड को 2-1 से हराया, लेकिन कुल स्कोर 3-2 रहने से टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। पहले लेग में एटलेटिको ने 2-0 की जीत हासिल की थी, जो आखिर में निर्णायक साबित हुई। इस जीत की बदौलत वह एग्रीगेट स्कोर पर 3-2 से आगे रही। एटलेटिको मैड्रिड 2017 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है। अब अगले दौर में उनका मुकाबला आर्सेनल या स्पोर्टिंग लिस्बन में से किसी एक से होगा। मैच के शुरुआती 24 मिनटों में ही बार्सिलोना ने दो गोल कर बढ़त बना ली थी। चौथे मिनट में ही युवा खिलाड़ी लेमिन यमल ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। उन्होंने एटलेटिको के डिफेंडर क्लेमेंट लेंगलेट की गलती का फायदा उठाया। इसके बाद 24वें मिनट में फेरान टॉरेस ने दानी ओल्मो के पास पर गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। एक समय ऐसा लग रहा था कि बार्सिलोना आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी, लेकिन एटलेटिको मैड्रिड ने हार नहीं मानी और मैच में वापसी की। मैच का सबसे अहम मोड़ 31वें मिनट में आया। मार्कोस लोरेंटे के पास पर एडमोला लुकमैन ने एटलेटिको के लिए गोल किया। यह गोल एग्रीगेट स्कोर के लिहाज से निर्णायक साबित हुआ।

फास्ट न्यूज

एक्टर ने जबरदस्ती एक्ट्रेस को बीफ खिलाने की कोशिश की

मुंबई। मलयाली एक्टर और मॉडल शियास करीम पर जबरदस्ती एक्ट्रेस को बीफ खिलाने के आरोप लगे हैं। इस घटना का एक वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद उनकी जमकर आलोचना भी की जा रही है। एक्टर शियास करीम का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो और एक्ट्रेस अनुमोल अनुकुट्टी, एक पार्टी में बुफे से खाना लेते नजर आ रहे हैं।

जेल में तेज बुखार में तड़पते रहे विक्रम भट्ट

30 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोप में दिसंबर से फरवरी तक जेल में रहे फिल्ममेकर विक्रम भट्ट ने जेल के दर्दनाक दिनों को याद किया है। फिल्ममेकर की मानें तो उन्हें कड़ाके की ठंड की वजह से तेज बुखार हुआ, वो दर्द से कराह रहे थे, लेकिन वहां मौजूद पुलिसवाले उन्हें डॉक्टर के पास तक नहीं ले गए। जेल के कैदियों ने ही मदद की। ऐसे में वो भगवान से लगातार कहते थे कि वो जेल में नहीं मरना चाहते। विक्रम भट्ट ने जेल के दिनों को याद कर ऑफिशियल सोशल मीडिया से लिखा है, पावर ऑफ प्रेयर्स। उदयपुर जेल में मेरी कैद के लगभग तीन हफ्ते बाद, जनवरी की कड़ाके की ठंड में, एक रात मैं बैरक नंबर 10 में तेज बुखार के साथ कांपते हुए उठा। चार कंबल ओढ़ने के बाद भी ऐसा लग रहा था जैसे शरीर पर कुछ भी नहीं है। पास में सो रहे कैदियों ने मेरे लिए और कंबल जुटाए। मैंने पैरासिटामोल ली और सोचा कि ठीक हो जाऊंगा।

मार्च में महंगाई दर बढ़कर 3.88% हुई

नई दिल्ली। देश में थोक महंगाई (WPI) लगातार पांचवें महीने बढ़ते हुए मार्च 2026 में 3.88 फीसदी पर पहुंच गई। यह फरवरी के 2.13 फीसदी और पिछले साल मार्च के 2.25 फीसदी से काफी ज्यादा है। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस तेजी के पीछे मुख्य वजह ईंधन, बिजली और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कीमतों का तेज उछाल है। बेसिक मेटल्स, नॉन-फूड आर्टिकल्स और अन्य मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों की कीमतों में वृद्धि रही।

नागिन 7 में की शूटिंग में टेली प्रॉम्पटर से डायलॉग पढ़ते दिखे, वीडियो वायरल, जमकर हुए ट्रोल

भूत बंगला प्रमोट करने में हुई अक्षय कुमार की किरकिरी

मुंबई। बॉलीवुड के सुपरस्टार अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म भूत बंगला के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसी सिलसिले में वह टीवी प्रोड्यूसर एकता कपूर के लोकप्रिय सुपरनैचुरल शो नागिन 7 में कैमियो करते नजर आए। हालांकि, शो में उनकी मौजूदगी अब चर्चा से ज्यादा विवाद का विषय बन गई है।

गौरतलब है कि अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म को एकता कपूर ने अक्षय कुमार के साथ मिलकर को-प्रोड्यूस किया है।

यही वजह है कि एक्टर फिल्म के प्रमोशन के लिए उनके टीवी शो में पहुंचे थे।

वहीं दूसरे यूजर ने तंज कसते हुए कहा कि इसी वजह से वह एक साल में कई फिल्में कर लेते हैं। हालांकि कुछ लोगों ने अक्षय का बचाव भी किया।

उनका कहना है कि आजकल तेजी से काम करने और समय बचाने के लिए कई कलाकार टेलीप्रॉम्प्टर का इस्तेमाल करते हैं, जो इंडस्ट्री में एक सामान्य प्रक्रिया बन चुकी है।

सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग तेज

वीडियो सामने आने के बाद यूजर्स ने अक्षय कुमार को जमकर ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा कि 30 साल के लंबे करियर के बाद भी अगर 60 साल का एक्टर अपने डायलॉग याद नहीं रख पाता, तो यह हैरान करने वाली बात है। वहीं दूसरे यूजर ने तंज कसते हुए कहा कि इसी वजह से वह एक साल में कई फिल्में कर लेते हैं। हालांकि कुछ लोगों ने अक्षय का बचाव भी किया। उनका कहना है कि आजकल तेजी से काम करने और समय बचाने के लिए कई कलाकार टेलीप्रॉम्प्टर का इस्तेमाल करते हैं, जो इंडस्ट्री में एक सामान्य प्रक्रिया बन चुकी है।

टेलीप्रॉम्प्टर से डायलॉग पढ़ते दिखे अक्षय

वीकेंड पर टेलीकास्ट हुए एपिसोड में अक्षय कुमार ने 'नाग गुरु' के कमरे में एंट्री लेते हुए कैमियो किया। इस दौरान वह शो में नागिन का किरदार निभा रहीं प्रियंका चहर चौधरी को ड्रैगन यमन से मुकाबला करने की सलाह देते दिखाई दिए। इसी एपिसोड का एक वीडियो क्लिप अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

> मनोरंजन जगत में टेलीप्रॉम्प्टर का उपयोग कोई नई बात नहीं है। कई बार शूटिंग के दौरान समय की कमी या लंबी स्क्रिप्ट के कारण कलाकार इसका सहारा लेते हैं। बावजूद इसके, दर्शकों की अपेक्षाएं बड़े सितारों से अधिक होती हैं, ऐसे में इस तरह के वीडियो अक्सर चर्चा और विवाद का कारण बन जाते हैं। इस फिल्म को एकता कपूर ने अक्षय कुमार के साथ मिलकर को-प्रोड्यूस किया है। यही वजह है कि एक्टर फिल्म के प्रमोशन के लिए उनके टीवी शो में पहुंचे थे।

यूके में भारतीय मूल की स्पीच थेरेपिस्ट बर्खास्त

अंग्रेजी न समझ पाने पर नौकरी गई, फॉर्म में गलत जानकारी देने का आरोप

लंदन, एजेंसी

यूके में एक भारतीय मूल की स्पीच एंड लैंग्वेज थेरेपिस्ट साई कीर्तना श्रीपेरंबुदुरु को अंग्रेजी ठीक से न समझ पाने और आवेदन में गलत जानकारी देने के आरोप में नौकरी से निकाल दिया गया। कारण यह रहा कि वह मरीजों और सहकर्मियों की बात ठीक से समझ नहीं पा रही थीं। यह मामला जून 2024 का हो, लेकिन इसकी जानकारी अब सामने आई है। कीर्तना ने अक्टूबर 2023 में यॉर्क एंड स्कारबरो टीचिंग हॉस्पिटल्स NHS ट्रस्ट जॉइन किया था। जॉइनिंग के कुछ ही समय बाद सहकर्मियों को पता चला कि वह मरीजों और स्टाफ की अंग्रेजी ठीक से समझ नहीं पा रही थीं। स्पीच थेरेपिस्ट होने के बावजूद उन्हें उच्चारण, व्याकरण और बातचीत समझने में समस्या थी। अंततः जून 2024 में उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। आवेदन में कीर्तना ने अंग्रेजी को अपनी पहली भाषा बताया था, लेकिन बाद में रिव्यू मीटिंग में स्वीकार किया कि उनकी मातृभाषा तेलुगु है। बाद में दिसंबर में उन्होंने बताया कि वह नौकरी के साथ-साथ अंग्रेजी सुधारने के लिए क्लास भी ले रही थीं। इस मामले में एक और अहम बात सामने आई कि नौकरी के आवेदन में उन्होंने अंग्रेजी को अपनी 'फर्स्ट लैंग्वेज' बताया था। जबकि फॉर्म के नियमों के अनुसार, 'फर्स्ट लैंग्वेज' वही मानी जाती है जो व्यक्ति रोजमर्रा की जिंदगी में सबसे ज्यादा इस्तेमाल करता हो। केवल अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करना इसे पहली भाषा नहीं बनाता। कीर्तना के मैनेजर ने यह भी बताया कि इंटरव्यू के दौरान उसने चैट बॉक्स के जरिए सवाल पूछने का अनुरोध किया था, यानी आमने-सामने बातचीत से बचना चाहती थीं। इसे असामान्य माना गया, खासकर इसलिए क्योंकि वह उस समय यूके में ही रह रही थीं। अस्पताल ट्रस्ट के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि साई कीर्तना अक्टूबर 2023 से जून 2024 तक काम पर थीं और जून में उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। कीर्तना ने इस फैसले को चुनौती दी और कहा कि उनकी पढ़ाई अंग्रेजी में हुई है, इसलिए इसे उनकी पहली भाषा माना जाना चाहिए।

थोक महंगाई 38 महीने में सबसे ज्यादा

मार्च में ये 3.88% पर पहुंची, रोजाना जरूरत का सामान और फ्यूल महंगा हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

मार्च में थोक महंगाई (WPI) बढ़कर 3.88% पर पहुंच गई है। फरवरी के यह 2.13% पर थी। यानी इसमें एक महीने के अंदर 1.75% की बढ़ोतरी हुई है। थोक महंगाई ने 38 महीने का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। जनवरी 2023 में थोक महंगाई 4.73% पर पहुंच गई थी।

कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 15 अप्रैल को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं। रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई 3.27% से बढ़कर 6.36% हो गई। खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई में कोई बदलाव नहीं है, ये 1.85% पर बनी हुई है।

फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर माइनस 3.78% से बढ़कर 1.05% हो गई है। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 2.92% से बढ़कर 3.39% रही।

प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62% है। फ्यूल एंड पावर का वेटेज 13.15% और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23% है।

प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75%, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 22.62% और फ्यूल एंड पावर 13.15% होती है।

वहीं, रिटेल महंगाई में फूड और प्रोडक्ट की भागीदारी 45.86%, हाउसिंग की 10.07% और फ्यूल सहित अन्य आइटम्स की भी भागीदारी होती है।

महंगाई कैसे मापी जाती है?

भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (CPI) भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स (WPI) का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है। महंगाई मापने के लिए अलग-अलग आइटम्स को शामिल किया जाता है।

होलसेल प्राइस इंडेक्स (डब्ल्यूपीआई) का आम आदमी पर असर

अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए WPI को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। WPI में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

> मार्च में रिटेल महंगाई बढ़कर 3.4% पहुंच गई है। इससे पहले फरवरी में यह 3.21% थी। महंगाई में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच जंग चल रही है। थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है।

सोना ₹2,938 बढ़कर ₹1.53 लाख पर पहुंचा

इस साल कीमत ₹20 हजार बढ़ी, चांदी ₹13,874 महंगी होकर ₹2.51 लाख/किलो हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना-चांदी के दाम में आज 15 अप्रैल को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,938 रुपए बढ़कर 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 13 अप्रैल को इसकी कीमत 1.50 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, एक किलो चांदी 13,874 रुपए बढ़कर 2.51 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले सोमवार को इसकी कीमत 2.37 लाख रुपए प्रति किलो थी। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है। सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है। लेकिन, 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल की ईरान से जंग शुरू होने के बाद गिरावट देखी गई। तब से 47 दिन में सोना 6,148 रुपए और चांदी 15,845 रुपए गिरी है। सोने का भाव उसकी शुद्धता के अनुसार तय होता है। 24 कैरेट सोना सबसे शुद्ध माना जाता है, जबकि 22 कैरेट और 18 कैरेट सोने की कीमतें उससे कम होती हैं। बाजार जानकारों का मानना है कि अगर वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता बनी रहती है।

विदेशी जेवर मंगाने के लिए लाइसेंस लेना होगा

सरकार ने सोने-चांदी और प्लेटिनम के गहनों को 'फ्री' कैटेगरी से हटाकर 'रिस्ट्रिक्टेड' कैटेगरी में डाल दिया है। इसका सीधा असर बाजार की सप्लाई पर दिख रहा है, जिससे सोना-चांदी की कीमतें बढ़ रही हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय (DGFT) की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, अब इन कीमती धातुओं से बनी ज्वेलरी किसी भी देश से मंगाने के लिए सरकार से विशेष लाइसेंस या परमिशन लेना होगा। सरकार ने यह कदम फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए उठाया है।

सोना इस साल 19,754 और चांदी 20,435 महंगी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 19,754 रुपए और चांदी 20,435 रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.51 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें

- **ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी:** एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।
- **खरीदारी की मात्रा:** दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है।
- **लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन:** राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।
- **पुराना स्टॉक और खरीद मूल्य:** ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे।

असली चांदी की पहचान करने के 4 तरीके

मैग्नेट टेस्ट: असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती। अगर चिपक जाए तो फेक है।

आइस टेस्ट: सिल्वर पर बर्फ रखें। असली सिल्वर पर बर्फ तेजी से पिघलती है।

स्मेल टेस्ट: असली सिल्वर में गंध नहीं होती। फेक में कॉपर जैसी गंध आती है।

क्लॉथ टेस्ट: चांदी को सफेद कपड़े से रगड़ें। अगर काला निशान आए तो असली है।

सेंसेक्स 1100 अंक चढ़कर 78,000 पर कारोबार कर रहा

निफ्टी भी 350 बढ़कर 24,200 पर पहुंचा, बैंकिंग और ऑटो शेयरों में खरीदारी

नई दिल्ली, एजेंसी

आज यानी बुधवार 15 अप्रैल को सेंसेक्स 1100 अंक (1.48%) की तेजी के साथ 78,000 पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 350 अंकों (1.35%) की तेजी है, ये 24,200 के स्तर पर आ गया है। आज के कारोबार में ऑटो, आईटी, मेटल और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में ज्यादा खरीदारी है। सपोर्ट यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को नीचे गिरने से सहारा मिलता है। यहां खरीदारी बढ़ने से कीमत आसानी से नीचे नहीं जाती। यहां खरीदारी का मौका हो सकता है। रेजिस्टेंस यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को ऊपर जाने में रुकावट आती है। ऐसा बिकवाली बढ़ने से होता है। रजिस्टेंस जोन पार करने पर तेजी की उम्मीद रहती है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध खत्म करने के लिए दूसरे दौर की बातचीत शुरू होने की संभावनाओं ने कच्चे तेल की कीमतों को ठंडा कर दिया है। मंगलवार, 15 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड करीब 2.77 डॉलर गिरकर 95.69 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं, अमेरिकी क्रूड (WTI) 4 डॉलर की गिरावट के साथ $95 प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया है। पिछले सत्र में ईरान जंग के चलते कीमतों में 4.3% तक का उछाल देखा गया था, लेकिन शांति वार्ता की खबरों ने निवेशकों को बड़ी राहत दी है। शेयर बाजार में 13 अप्रैल को गिरावट रही। सेंसेक्स 703 अंक (0.91%) नीचे 76,848 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 208 अंक (1.16%) गिरकर 23,843 पर आ गया। कारोबार में ऑटो और FMCG शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली देखी गई।

लिखा- ब्राह्मणों का अपमान किया..बदला लूंगा, लखनऊ में तहरीर दी

आशुतोष महाराज ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को अपशब्द कहे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। आशुतोष ब्रह्मचारी ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को लेकर फेसबुक पर अपशब्द लिखे। उन्होंने उपमुख्यमंत्री के खिलाफ लखनऊ पुलिस से शिकायत की है। शंकराचार्य पर बटुकों से यौन उत्पीड़न की FIR कराने वाले आशुतोष महाराज बुधवार को हजरतगंज कोतवाली पहुंचे। डिप्टी सीएम के खिलाफ तहरीर देने के बाद उन्होंने संवाददाता से कहा- ब्रजेश पाठक ने सनातन को बेचने का काम किया। पहले ब्राह्मणों को बेचा, अब संतों के पीछे पड़ गए हैं। वो शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन करते हैं। उनसे ब्राह्मणों का बदला लूंगा। उन्होंने कहा- थाना प्रभारी ने पहले तो मना कर दिया। फिर हम DSP के पास गए।

उन्होंने आश्वासन दिया कि जांच कराएंगे, और अगर आरोप में सच्चाई होगी तो केस दर्ज करेंगे। मेरे पास ब्रजेश पाठक के खिलाफ सबूत हैं। उनके कॉल डिटेल की जांच होनी चाहिए। आशुतोष महाराज, जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य हैं। उन पर 21 FIR हैं। उन्होंने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर 21 फरवरी को 2 बटुकों के यौन शाषण की FIR दर्ज कराई थी। आशुतोष महाराज पर 8 मार्च को चलती ट्रेन में जानलेवा हमला हुआ था। इसके लिए उन्होंने अविमुक्तेश्वरानंद, उनके शिष्य मुकुंदानंद को जिम्मेदार ठहराया था। 24 फरवरी को शंकराचार्य ने प्रयागराज एडिशनल कमिश्नर अजय पाल शर्मा पर साजिश रचने का आरोप लगाया था।

> *आशुतोष महाराज ने कहा- माघ मेले में इन्होंने इतना बड़ा षड्यंत्र किया। इन्होंने चंद्र प्रकाश उपाध्याय के नंबर से लखनऊ से शंकराचार्य को फोन किया। कहा- धरना दीजिए। जब तक मैं न आऊं, पानी न पिलाऊं, तब तक धरना खत्म नहीं करना है। यह बहुत बड़ा अपराध हुआ है। इससे सनातन को ठेस पहुंची है।*

बटुकों की पिटाई पर डिप्टी सीएम ने कहा था- चोटी खींचना महाअपराध

18 जनवरी को मौनी अमावस्या में प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्य को पुलिस ने चोटी पकड़कर घसीटा और पिटाई की थी। इस मामले पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक एक महीने तक पूरे मामले में चुप रहे। फिर 16 फरवरी को एक मीडिया इवेंट में पूरे विवाद पर कहा था, 'चोटी नहीं खींचनी चाहिए थी। जो भी दोषी है, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। चोटी खींचना महाअपराध है। देखिएगा महापाप लगेगा।

पहले बिना नाम लिए डिप्टी सीएम को टारगेट किया था

2 महीने पहले भी आशुतोष महाराज ने बिना नाम लिए ब्रजेश पाठक पर प्रयागराज माघ मेले में साजिश रचने का आरोप लगाया था। उस वक्त कहा था, 'माघ मेला साजिश में यूपी के डिप्टी CM शामिल हैं। डिप्टी CM ने कहा था कि अभी धरना दो, जब हम आएं, तब खत्म करना।' उन्होंने दावा किया था- रीवा एक्सप्रेस ट्रेन से गाजियाबाद से प्रयागराज जा रहा था। फर्स्ट AC कोच में बैठा था। सिराथू रेलवे स्टेशन के पास सुबह करीब 5 बजे टॉयलेट के लिए उठा। बाहर गेट पर एक आदमी खड़ा था। आगे बढ़ा तो उसने पीछे से हमला कर दिया। उसने मेरी नाक काटने की कोशिश की। चेहरे और हाथ पर वार किए। किसी तरह जान बचाकर खुद ट्रेन के टॉयलेट में बंद कर पाया।

ट्रेन के सामने आने से युवती के दोनों पैर कटे

हरदोई। हरदोई के देहात कोतवाली क्षेत्र में बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। कोरिया फाटक के पास बरेली-प्रयागराज एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से 22 वर्षीय युवती शशि के दोनों पैर कट गए। शशि खजुरहना निवासी नंदलाल की पुत्री है। घटना की सूचना मिलते ही देहात कोतवाल हरिनाथ यादव अपनी टीम और आरपीएफ के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत युवती को तौलिये में लपेटकर एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। मेडिकल कॉलेज में शशि को प्राथमिक उपचार दिया गया। हालांकि, उसकी हालत गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर कर दिया गया। युवती के पिता नंदलाल ने बताया कि बुधवार सुबह वह अपनी पत्नी और पुत्री शशि के साथ गेहूं की कटाई कर रहे थे। इसी दौरान शशि अचानक कहीं चली गई। कुछ देर बाद उन्हें हादसे की सूचना मिली और वे मौके पर पहुंचे। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर जमा हो गए थे, लेकिन किसी ने भी घायल युवती को अस्पताल पहुंचाने में मदद नहीं की। पुलिस को सूचना मिलने के बाद ही देहात कोतवाली पुलिस और आरपीएफ ने संवेदनशीलता दिखाते हुए शशि को अस्पताल पहुंचाया।

सपा ने मध्यांचल एमडी का ऑफिस घेरा

विधायक रविदास बोले- 4 गुना ज्यादा आ रहा है बिल

- मध्यांचल विद्युत वितरण निगम का कार्यालय घेराव हुआ।
- विधायक रविदास ने कहा कि बिजली बिल 4 गुना ज्यादा आ रहा है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ में स्मार्ट मीटर को लेकर विरोध तेज हो गया है। समाजवादी पार्टी के विधायक रविदास मेहरोत्रा ने कार्यकर्ताओं के साथ एमडी मध्यांचल कार्यालय का घेराव किया। कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने स्मार्ट मीटर को लेकर जनता को परेशान करने और गुमराह करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान भाजपा सरकार मुर्दाबाद', 'बिजली विभाग मुरादाबाद' के नारे लगाए। विधायक रविदास मेहरोत्रा ने

कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता सरकार से परेशान हो चुकी है। यह सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है। लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में अनावश्यक रूप से स्मार्ट मीटर लगाया जा रहा है। यह स्मार्ट मीटर जनता को बिल्कुल भी रास नहीं आ रहा है। लोगों को बिना विश्वास के लिए आधी अधूरी तैयारी के साथ विभाग इस तरह के काम कर रहा है। सबसे पहली चीज तो स्मार्ट मीटर लगने की प्रक्रिया बेहद गलत है। जहां भी स्मार्ट मीटर लग रहा है उस क्षेत्र में 8 से 10 घंटे बिजली प्रभावित हो रही है।

फास्ट न्यूज

एमएससी छात्रा से रेप करने वाला कांस्टेबल अरेस्ट

कानपुर। कानपुर में एमएससी छात्रा से दुष्कर्म के आरोपी कांस्टेबल को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि आरोपी ने नौकरी और शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बना लिया। विरोध करने पर वीडियो वायरल कर जिंदगी बर्बाद करने की धमकी भी दी गई।

आशा कार्यकर्ताओं का अम्बेडकर नगर में प्रदर्शन

अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरनगर में बुधवार को आशा और संगिनी कार्यकर्ताओं ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय के पास प्रदर्शन किया। उन्होंने वर्ष 2024 से अब तक के बकाया भुगतान को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की। बुधवार को प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने बताया कि प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर विभिन्न मदों का भुगतान लंबे समय से लंबित है। इस कारण उन्हें गंभीर आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जिलाध्यक्ष ऊषा पटेल के नेतृत्व में सीएमओ को एक ज्ञापन सौंपा गया। इसमें कई मांगें शामिल थीं, जिनमें आभा कार्ड, जननी सुरक्षा योजना और नसबंदी से संबंधित भुगतानों को तत्काल जारी करने की मांग प्रमुख थी। इसके अतिरिक्त, एचबीवाईसी प्रशिक्षण का भुगतान और लंबित प्रशिक्षणों को शीघ्र पूरा कराने की भी मांग की गई।

एकतरफा प्यार में युवती से की छेड़छाड़

बरेली। बरेली पुलिस ने युवती से छेड़छाड़ के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा और कारतूस भी बरामद हुआ है। यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 14 अप्रैल को हुई थी। आरोपी अफसर उर्फ साहिल ने युवती को गांधी उद्यान के पास बुलाया और उसके साथ छेड़छाड़ की। जब युवती ने विरोध किया, तो आरोपी ने जबरदस्ती करने की कोशिश की।

शोरूम और रेस्टोरेंट में लगी भीषण आग

दमकल की 4 गाड़ियों ने डेढ़ घंटे में बुझाया

- गीतांजलि शोरुम के बाहर कूड़े के ढेर में आग लगी थी।
- आग की तेज लपटें देखकर मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के आशियाना क्षेत्र में बुधवार (15 अप्रैल) को मोती महल रेस्टोरेंट और गीतांजलि शोरूम में एसी ब्लास्ट होने से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। तेज लपटें उठती देख मौके पर भारी भीड़ जुट गई और लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के

बाद आग पर काबू पा लिया गया। आशियाना के पावर हाउस चौराहे के पास विवेक प्लाजा में मोती महल रेस्टोरेंट और गीतांजलि शोरूम है। शोरूम के बाहर कूड़े के ढेर में आग लग गई। जिससे बाहर लगे एसी में ब्लास्ट होने से आग भड़क गई। एसी के आउटर यूनिट से उठी चिंगारी ने आग को तेजी से फैलाया। जानकारी के अनुसार आग की शुरुआत रेस्टोरेंट के किचन के पास से हुई, जिसके बाद लपटें फैलते हुए शोरूम तक पहुंच गईं।

कंपनी मालिक को लेट आने पर मेयर ने डांटा

लखनऊ नगर निगम सदन में गले में तख्ती टांगकर पहुंचे पार्षद

- लखनऊ नगर निगम की बैठक शुरू होते ही भाजपा पार्षदों ने हंगामा शुरू कर दिया।
- भाजपा पार्षद रानी कन्नौजिया के निधन पर सदन में 2 मिनट का मौन रखा गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम की सदन बैठक बुधवार को सवा दो घंटे तक हंगामेदार रही। सुबह 9 बजे बैठक शुरू होते ही सोलर पैनल पर छूट लेकर चर्चा होने लगी। इस बीच भाजपा पार्षद नागेंद्र सिंह ने कहा कि किसी को कुछ नहीं आता, चुनाव चिह्न छाता। इस पर मेयर सुषमा खर्कवाल भड़क गईं। उन्होंने कहा कि कोई मां के पेट से सीख कर नहीं आता है। अगर आपको दिक्कत है तो सदन छोड़कर चले जाएं। बोलने का मौका न मिलने का आरोप लगाते हुए भाजपा पार्षद हरिश्चंद्र लोधी, उमेश सनवाल और प्रमोद सिंह राजन सदन से वॉकआउट कर गए। सदन

बैठक में देरी से आने पर मेयर ने लायन एनवायर के मालिक रणधीर सिंह को डांट लगाई। पूछा की आप लेट क्यों आए? भाजपा पार्षद मनीष रस्तोगी ने कहा कि सफाई कर्मचारियों की संख्या कम है। इसके कारण सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। भाजपा पार्षद अमित चौधरी ने कहा कि विपक्ष की भूमिका पूरी तरह से निराशा जनक है। भाजपा पार्षद अनूप कमल सक्सेना ने कहा कि डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन नहीं हो रहा है। इसके कारण समस्या बढ़ गई है। लोगों को परेशानी हो रही है।

मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि कई फैसले लिए गए हैं। जिया मऊ की एक जमीन दीन दयाल सेवा न्यास ने नगर निगम को हैंडओवर कर दिया है। एलडीए इसपर नियोजित विकास कराएगा। भाजपा पार्षद मुकेश सिंह मोंटी ने कहा कि सीएम ग्रिड योजना से बन रही सड़क में अधिकारी लापरवाही बरत रहे हैं।

'सोलर पैनल पर भाजपा की तरफ से छूट देने का दावा'

कांग्रेस पार्षद मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि सोलर पैनल पर भाजपा की तरफ से छूट देने का दावा किया जा रहा था। यह झूठ है सदन में इसका खुलासा हो गया है। सपा पार्षद ममता रावत ने कहा कि क्षेत्र में 20 गाड़ी के बजाए सिर्फ 15 गाड़ी चल रही समस्या बनी हुई है। कोई सुनने वाला नहीं है। लगातार चैलेंज बना हुआ है। चर्चा करने का कोई मतलब नहीं निकल रहा है। भाजपा पार्षद शैलेंद्र वर्मा ने बताया कि कई पार्षदों को बोलने का मौका नहीं मिला है। फूड वैन शहर में सड़क पर चल रही है। लोगों के चलने का रास्ता नहीं है। नाले की सफाई का रेट बढ़ना चाहिए।

फंदे से लटकता मिला महिला का शव

मोहनलालगंज। लखनऊ के निगोहां थाना क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उसका शव घर में फंदे से लटकता मिला। मायकेवालों ने ससुरालवालों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने पति को हिरासत में ले लिया है। जांच में सामने आया है कि शादी के 6 साल महिला को बच्चा नहीं हुआ था। जिससे वो तनाव में रहती थी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि सभी एंगल से जांच की जा रही है। घटना मंगलवार रात नन्दौली गांव की है। महिला की पहचान 25 साल की रूबी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान रूबी (पत्नी सूरज रावत) के रूप में हुई है। बताया गया कि मंगलवार शाम उनके पति सूरज रावत पास के गांव जमुरिया में एक शादी कार्यक्रम में लकड़ी काटने के काम से गए थे। उस समय रूबी अपने सास-ससुर के साथ घर पर थी। रात करीब 9:30 बजे पति सूरज ने फोन पर रूबी से बात की थी और जल्द घर लौटने की बात कही थी। जब वह रात करीब 1 बजे घर पहुंचे, तो उन्होंने बरामदे में लगे पंखे से पत्नी का शव लटकता देखा।

गोंडा पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का किया भंडाफोड़

चोरी की बोलेरो, ट्रैक्टर और ट्रॉली बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा। गोंडा जिले की नवाबगंज पुलिस ने एक अंतर्जनपदीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की एक बोलेरो गाड़ी, एक ट्रैक्टर और एक ट्रॉली बरामद की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान रामतेज यादव, अमन कुमार और फुरकान के रूप में हुई है। ये तीनों सीतापुर जिले के रेउसा थाना क्षेत्र से चोरी की गई बोलेरो गाड़ी को गोंडा के नवाबगंज कोल्ड स्टोर होते हुए अयोध्या ले जा रहे थे। नवाबगंज कोल्ड स्टोर पर चेकिंग के दौरान पुलिस ने जब इन आरोपियों को रोकने का प्रयास किया, तो वे बोलेरो गाड़ी लेकर भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर उन्हें पकड़ा, जिसके बाद पता चला कि बोलेरो बिना नंबर की थी और सीतापुर से चोरी हुई थी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि ट्रैक्टर को सीतापुर जिले के रामपुर मथुरा थानाIR क्षेत्र से चुराया गया था, जिसके

संबंध में रेउसा थाने में मुकदमा दर्ज है। ट्रॉली भी सीतापुर से ही चुराई गई थी। आरोपी रामतेज यादव और फुरकान लखनऊ के निवासी हैं, जबकि अमन बाराबंकी जिले का रहने वाला है। आरोपी फुरकान के खिलाफ एक, रामतेज यादव के खिलाफ छह और अमन के खिलाफ उत्तर प्रदेश के विभिन्न थानों में चार मुकदमे दर्ज हैं। नवाबगंज थाना अध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि तीनों आरोपी चोरी की बोलेरो गाड़ी को अयोध्या ले जाकर बेचने की फिराक में थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें समय रहते गिरफ्तार कर लिया।

युवती की गला काटकर हत्या

अमेठी। अमेठी में एक 24 वर्षीय युवती की गला काटकर हत्या कर दी गई है। पुलिस ने इस मामले में गांव के ही एक युवक को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में यह घटना प्रेम प्रसंग से जुड़ी बताई जा रही है। यह पूरी घटना गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के चतुरीपुर गांव की है। गांव की रहने वाली 24 वर्षीय अमिता देवी पुत्री अवधेश द्विवेदी मंगलवार देर रात खाना खाने के बाद घर के बाहर टहलने निकली थी। काफी देर तक जब वह घर नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन अंधेरा होने के कारण उसे ढूंढ नहीं पाए। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने घर से लगभग 100 मीटर दूर नहर किनारे गौरीशंकर द्विवेदी के खेत में एक शव देखा। शव की पहचान अमिता देवी के रूप में हुई, जिसके बाद परिजन भी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने तत्काल घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने पर गौरीगंज पुलिस के साथ-साथ सीओ और अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने भी मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कार्यवाई : डेढ़ साल से राज्यसभा में मामला लटका, हाईकोर्ट में फुल कोर्ट रेफरेंस

'कठमुल्ला' कहने वाले जज महाभियोग से पहले आज होंगे रिटायर

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर कुमार यादव आज यानी 15 अप्रैल को रिटायर हो रहे हैं। रिटायरमेंट पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में फुल कोर्ट रेफरेंस होगी। फुल कोर्ट रेफरेंस चीफ जस्टिस (मुख्य न्यायाधीश) की कोर्ट में शाम 4 बजे रखा गया है। इसमें हाईकोर्ट के सभी जजों के अलावा बार एसोसिएशन के अधिवक्ता सदस्य तथा हाईकोर्ट रजिस्ट्री के अधिकारी शामिल होंगे। उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पिछले करीब एक साल से राज्यसभा में लटका पड़ा है। उनके रिटायरमेंट के साथ ही महाभियोग प्रस्ताव खत्म हो जाएगा। जस्टिस शेखर कुमार यादव 8 दिसंबर, 2024 को प्रयागराज में विश्व हिंदू परिषद के लीगल सेल के एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। उन्होंने कहा था- मुझे

यह कहने में कोई हिचक नहीं कि यह हिंदुस्तान है और यह देश यहां रहने वाले बहुसंख्यकों की इच्छा से चलेगा। लेकिन, यह जो कठमुल्ला है, यह सही शब्द नहीं है। लेकिन कहने में परहेज नहीं है, क्योंकि वह देश के लिए बुरा है। घातक है, देश के खिलाफ है। जनता को भड़काने वाले लोग हैं। देश आगे न बढ़े, ऐसा सोचने वाले लोग हैं। उनसे सावधान रहने की जरूरत है। जस्टिस शेखर के इस बयान की काफी आलोचना हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस शेखर से स्पष्टीकरण भी मांगा था। उनसे कहा गया था कि आप खेद प्रकट कर दीजिए, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से मना कर दिया था।

जस्टिस शेखर के इस बयान की काफी आलोचना हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस शेखर से स्पष्टीकरण भी मांगा था। उनसे कहा गया था कि आप खेद प्रकट कर दीजिए, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से मना कर दिया था और कहा था कि उन्होंने ऐसा कुछ भी गलत नहीं बोला है।

जस्टिस शेखर कुमार यादव ने 1988 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से लॉ में ग्रेजुएशन किया था।

हाईकोर्ट में विदाई समारोह होगा

जस्टिस यादव के रिटायरमेंट पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में फुल कोर्ट रेफरेंस आयोजित किया जाएगा। फुल कोर्ट रेफरेंस बुधवार को चीफ जस्टिस की कोर्ट में दोपहर 3.45 पर रखा गया है।

इसमें हाईकोर्ट के सभी जजों के अलावा बार एसोसिएशन के अधिवक्ता सदस्य और हाईकोर्ट रजिस्ट्री के अधिकारी शामिल होंगे।

पृष्ठ 01 का शेष...

मेलोनी जंग में ...

वहां से इसमें करीब 2.5 लाख बैरल मेथेनॉल लोड किया था। पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर एक हाईलेवल डेलिगेशन के साथ ईरान पहुंच गए हैं। यहां अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत दोबारा शुरू कराने पर चर्चा होगी। अलजजीरा के मुताबिक, यह प्रतिनिधिमंडल अमेरिका का संदेश लेकर ईरान पहुंचा है और बातचीत को आगे बढ़ाने की कोशिश करेगा। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, वार्ता का दूसरा दौर आने वाले दिनों में पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में हो सकता है। इजराइल ने दावा किया है कि उसने पिछले 24 घंटे में दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के 200 से ज्यादा ठिकानों पर हमला किया है। इन हमलों में सैन्य ढांचे और लॉन्चर निशाने पर रहे। हमलों से पहले इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के लोगों को इलाका खाली करने की चेतावनी दी थी और कहा था कि यह कार्रवाई हिजबुल्लाह की गतिविधियों के कारण की जा रही है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 2 मार्च से अब तक इजराइली हमलों में 2 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें बच्चे और स्वास्थ्यकर्मी भी शामिल हैं। अमेरिका ने ईरान के साथ सीजफायर बढ़ाने पर अभी औपचारिक सहमति नहीं दी है। यह जानकारी CNN ने एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी के हवाले से दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, सीजफायर बढ़ाने का विकल्प अभी भी खुला है, ताकि वार्ता के लिए और समय मिल सके। ट्रम्प प्रशासन जल्द से जल्द किसी संभावित समझौते तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है। ट्रम्प ने कहा है कि चीन पहुंचने पर राष्ट्रपति शी जिनपिंग उनका 'बिग हग' देकर स्वागत करेंगे। उन्होंने दोनों देशों के बीच अच्छे तालमेल की बात कही। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि वह कुछ हफ्तों में चीन दौरे पर जाएंगे और वहां शी जिनपिंग उनसे गर्मजोशी से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका और चीन बहुत समझदारी से और अच्छी तरह साथ काम कर रहे हैं और टकराव के बजाय सहयोग बेहतर है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका किसी भी देश से बेहतर लड़ सकता है।

50 से ज्यादा ...

लोगों का कहना है कि वह जमीन लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) की है। इसका किसानों से मुआवजे को लेकर मुकदमा चल रहा है। यहां पर अधिकतर लोग मजदूरी, कूड़ा बीनने का काम करते हैं। इसमें असम के रहने वाले लोगों की संख्या काफी ज्यादा है। आग लगने से नाराज लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। पुलिस युवकों को किनारे कर रही है। घर जलने और लापता परिवार के सदस्यों को खोजते-खोजते एक महिला बेहोश हो गई। मौके पर मौजूद लोग महिला को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले गए।

प्लांट के आंतरिक ...

वहीं, टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कहा- आज हम सब यहां 10 लाखवें वाहन के साक्षी बने हैं। यहां कॉमर्शियल व्हीकल का उत्पादन किया जाता है। सप्लायर, पार्टनर और कम्युनिटी का एक मजबूत इकोसिस्टम है। हम अगले 5 साल में 20 लाख व्हीकल बनाएंगे। 10 लाखवीं गाड़ी चिनहट स्थित देवा रोड प्लांट में बनी है। यह प्लांट 1992 में लखनऊ में स्थापित किया गया था। इससे करीब 8 हजार लोगों को रोजगार मिला है। यहां से 15 देशों में टाटा की गाड़ियां एक्सपोर्ट होती हैं। सीएम ने कहा- जब हम 'मोमेंटम' की बात करते हैं, तो यह केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं होता। जहां द्रव्यमान (mass) होता है, वहां गति (velocity) भी होती है। यही गति हमें नई ऊर्जा और ताकत देती है। यूपी 25 करोड़ की आबादी वाला राज्य है। इसमें 56% युवा हैं। हमने युवाओं को स्किल, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी से जोड़कर उन्हें मार्केट-रेडी और इंडस्ट्री-रेडी वर्कफोर्स बनाने का काम किया है। आज यूपी में जो औद्योगिक माहौल बना है, वह केवल कागजों या आंकड़ों में नहीं, बल्कि जमीन पर भी दिखाई देता है। बेहतर होती कानून-व्यवस्था, तेजी से विकसित हो रहा इंफ्रास्ट्रक्चर और मजबूत कनेक्टिविटी ये सभी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को नई ताकत दे रहे हैं। हम सभी ने बचपन से टाटा मोटर्स के वाहनों को अपनी जिंदगी का हिस्सा बनते देखा है। चाहे वह बसों में यात्रा हों या ट्रकों के जरिए देशभर में सामान पहुंचाना। समाज की अंतिम जरूरतों को पूरा करने में टाटा समूह हमेशा अग्रणी रहा है। आज भी टाटा का नाम विश्वास, गुणवत्ता और भरोसे का प्रतीक है। लोग मानते हैं कि 'टाटा' का मतलब है- भरोसा। यह भरोसा उनकी मजबूत लीडरशिप, संस्थापकों के मूल्यों और लाखों कर्मचारियों की मेहनत का परिणाम है। यही वजह है कि भारत ही नहीं, दुनिया के कई देशों में टाटा के उत्पादों के प्रति विश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है। टाटा समूह ने नमक से लेकर स्टील, ऑटोमोबाइल से लेकर सॉफ्टवेयर, शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य और रक्षा उपकरणों तक हर क्षेत्र में भारत को सशक्त बनाने में भूमिका निभाई है। यूपी के साथ टाटा समूह की साझेदारी केवल निवेश तक सीमित नहीं है, यह विश्वास और विकास का मजबूत आधार है। टाटा मोटर्स के CEO और MD गिरीश वाघ ने कहा- यह मौका हमारे लिए महत्वपूर्ण माइलस्टोन है। इसमें यूपी सरकार के प्रशासनिक सहयोग का बड़ा योगदान है। प्रशासन ने मैन्युफैक्चरिंग को बड़ा आयाम दिया है।

'यूपी में लव जिहाद-लैंड जिहाद की घटनाएं बढ़ीं'

लखनऊ में गोपाल राय बोले- जिहादी मानसिकता वाले सक्रिय

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में बुधवार को विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने लव जिहाद और लैंड जिहाद को लेकर प्रेस वार्ता किया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय पीड़ितों के साथ वार्ता में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि लगातार हिंदू युवतियों को 'लव जिहाद' और धर्मांतरण के मामलों में निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने इस स्थिति को गंभीर बताते हुए कहा कि समाज में जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है, ताकि बेटियां ऐसे षड्यंत्रों से सतर्क रह सकें। उन्होंने मांग की है कि ऐसे मामलों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए सख्त कानून बनाए जाएं। गोपाल राय ने कहा कि बहुसंख्यक समाज की बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना बहुत जरूरी। बढ़ते हुए मामलों पर रोक लगाने के लिए जरूरी है कि दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। उन्होंने बताया कि जिला संतकबीर नगर से सितारा चौहान आई हैं। इनकी बेटी प्रीति

चौहान को आफताब अंसारी नाम के युवक द्वारा ब्रेनवॉश करके प्रेम जाल में फंसाया गया। उसके बाद आफताब युवती को अपने साथ लेकर फरार हो गया। आरोपी के खिलाफ थाना खलीलाबाद में गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं, फिर भी अभी तक युवती और आरोपी का पता नहीं चला है। पीड़िता को लगातार धमकियां भी मिल रही हैं। गोपाल राय ने बताया कि इसी प्रकार लखनऊ के गोमती नगर के राजेंद्र कुमार की बेटी शुभाली से एक व्यक्ति ने हिंदू नाम बताकर पहले दोस्ती की। बाद में उसे धार्मिक स्थलों पर ले जाने लगा। धीरे-धीरे धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया तब बेटी ने पिता से शिकायत किया।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676